SHRI JAWAHARLAL NEHRU: I am not aware of the fact that more Nagas are going to Pakistan. I do not think there is much chance of their going, and if I may say so, express my private opinion, the more Nagas go there the better—that is neither here nor there—because there are difficulties in Nagaland. They have become rather very unpopular, the hostile people there, and they have been pressed greatly, under the pressure of our Army. That may be one reason among others why a few have gone to Pakistan. As for Mr. Phizo's movements, we have not addressed the Pakistan Government, we did not think it proper, but to some extent we are kept informed of them through other sources.

SHRI N. SRI RAMA REDDY: May I know if the hon. Prime Minister is aware of the activities of the hostile Nagas who have escaped into Pakistan? I would like to know whether they are engaged in any anti-Indian activities.

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: No, Sir. To our knowledge they are not engaged in any worth while activities.

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय के एककों के कर्मचारी

*६. **श्री नवाबसिंह चौहान :** क्या **सूचना तथा प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उनके मंत्रालय के प्रत्येक एकक के अंग्रेजी तथा भारतीय भाषाओं के अनुभागों में पहली, दूसरी, तीसरी और चौथी श्रेणी के कितने कितने कर्मचारी हैं और उनके वेतन-क्रम क्या हैं ; और उन में से कितने कर्मचारी राजपत्रित हैं और कितने अराजपत्रित हैं ; और

(ख) प्रत्येक एकक के दोनों प्रकार के अनुभागों में पृथक् पृथक् कितने कितने कर्मचारी केन्द्रीय सूचना सेवा के हैं और उन में से कितने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली गई परीक्षा के द्वारा भर्ती किए गए और कितने इस परीक्षा के बिना भर्ती किए गए और वे किस रीति से भर्ती किए गए ?

†[EMPLOYEES IN THE UNITS OF I. & B. MINISTRY

*6. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) what is the number of employees in each of grades I, II, III and IV in sections for English and Indian languages in every unit of his Ministry and what are their pay-scales, and how many of them are gazetted employees and how many are non-gazetted employees; and

(b) how many employees in each of the two types of sections of every unit belong to the Central Information Service and how many of them were recruited through the examination held by the Union Public Service Commission and how many were recruited without this examination; and by what method they were recruited?]

सूचना तथा प्रसारण मंत्रालय में उपमंत्री (श्री शाम नाथ) : (क) और (ख). ग्रेड १, २, ३ और ४ केवल सेन्ट्रल इंफार्मेशन सर्विस में हैं । उनके तनख्वाह के स्केल इस तरह हैं :-

ग्रेड १. ७००—४०—११००—५०/२—१२५० रुपये ।

ग्रेड २. ४००—४००—४५०—३०—६००—३५—६७०—ई० बी० ३५—६५० रुपये ।

ग्रेड ३. ३५०—२५—५००—३०—५६०—ई० बी०—३०—८०० रुपये ।

ग्रेड ४. २७०—१०—२६०—१५—४१०—ई० बी०—१५—४८५ रुपये ।

†[ ] English translation.

ग्रेड १ से ग्रेड ३ तक के कर्मचारी गजेटेड हैं और ग्रेड ४ के कर्मचारी नान गजेटेड हैं। सेंट्रल इंफार्मेशन सर्विस के ऊपर बताए गए ग्रेडों में अफसरों को जिस प्रकार बांटा गया है, उसके बारे में एक स्टेटमेंट सभा की मेज पर रख दिया गया है। [देखिये, परिशिष्ट ३६, अनुपत्र संख्या ४।]

इस सर्विस के शुरू होने पर यू० पी० एस० सी० की सिफारिशों की बिना पर सेंट्रल इंफार्मेशन सर्विस रूल्स के रूल ५ के नीचे ३३६ आदमी रखे गये हैं। १६६१ में कमीशन के मार्फत लिए गए इम्तिहान के जरिए १४ अफसर सेंट्रल इंफार्मेशन सर्विस के ग्रेड २ में रखे गये थे। कमीशन की सलाह से भर्ती के नये तरीके के फैसला होने तक एम्प्लायमेंट एक्सचेंज की मार्फत या इश्तिहार के जरिये १६५ अफसर एडहॉक के तौर पर रखे गये हैं।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI SHAM NATH): (a) and (b) Grades I, II, III and IV exist only in the Central Information Service. Their scales are as follows:

Grade I	Rs. 700-40-1100-50/2-1250
Grade II	Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950
Grade III . . .	Rs. 350-25-500-30-590-EB-30-800
Grade IV . . .	Rs. 270-10-290-15-410-EB-15-485.

Officers in Grades I to III are gazetted employees and those in Grade IV non-gazetted.

The distribution of officers in above grades of Central Information Service, is shown in the statement laid on the Table of the House. [See Appendix XXXIX, Annexure No. 4.]

339 were appointed under Rule 5 of the Central Information Service Rules, on the recommendations of the UPSC at the initial constitution of the Service 14 officers were appointed to Grade II of the C. I. S. as a result of an examination held by the Commission in 1961. 165 officers have been recruited through employment exchange/by advertisement on an ad hoc basis pending the finalisation of the revised method of recruitment in consultation with the Commission]

†[ ] English translation.

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या माननीय मंत्री जी बता सकते हैं कि जो लैंग्युएज यूनिट्स हैं, जिन की संख्या अधिक है, उनमें तो कम गजटेड आफिसर्स हैं और जो इंगलिश यूनिट्स हैं उनमें ज्यादा गजटेड आफिसर्स हैं और ऊंची श्रेणी के कर्मचारी हैं? इस संख्या के कम और ज्यादा होने का कारण क्या है?

श्री शाम नाथ : लैंग्युएज यूनिटस की जो जरूरियात हैं उनका खयाल रखते हुए ये जो ग्रेड २ और ३ की पोस्ट्स होती हैं, उनको भरा जाता है। ऐसी कोई बात नहीं है कि जो लैंग्युएज यूनिट्स हैं उनमें ग्रेड २ के आफिसर कम हैं और दूसरी जो अंग्रेजी यूनिट्स हैं उनमें ज्यादा हैं।

श्री नवाबसिंह चौहान : क्या माननीय मंत्री जी ने इस बात का जांच पड़ताल की है कि अंग्रेजी यूनिट में ज्यादा महत्वपूर्ण काम होता हैं और इंडियन लैंग्युएज में कम महत्वपूर्ण काम होता है और जो आप यह जवाब दे रहे हैं इस बात की जांच पड़ताल करने के बाद दे रहे हैं? अगर ऐसा नहीं है, तो क्या इस बात की जांच पड़ताल करेंगे?

श्री जवाहरलाल नेहरू : काम के लिहाज से आफिसर मुकर्रर होते हैं। खाली आफिसर हवा में नहीं होते हैं। जाहिर है कि अगर एक संस्था में ज्यादा आफिसर हैं तो वहां ज्यादा काम है।

श्री नवाबसिंह चौहान : मैं यही पूछ रहा था कि काम के हिसाब से अगर आफिसर होते हैं तो क्या माननीय मंत्री जी ने कोई निजी तरीके से इस बात की जांच पड़ताल

को है कि जो अंग्रेजों के युनिट्स हैं उनमें ज्यादा काम होता है और जो इंडियन लैंग्वुएजेज के युनिट्स हैं उन में कम काम होता है ?

श्री जवाहरलाल नेहरू : जी हां, जाहिर है, कोई देख सकता है कि ज्यादा काम है। वह हलके हलके कम होता जाये, वह दूसरी बात है ।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमायें

*७. **श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया** : क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि भारत और पूर्वी पाकिस्तान तथा पश्चिमी पाकिस्तान के बीच पृथक् पृथक् कितने मील लम्बी सीमा है ?

†[BORDERS BETWEEN INDIA AND PAKISTAN

*7. SHRI V. M. CHORDIA: Will the PRIME MINISTER be pleased to state the mileage of the borders between India and East Pakistan and West Pakistan separately?]

वैदेशिक कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री दिनेश सिंह) : भारत-पूर्व पाकिस्तान और भारत-पश्चिम पाकिस्तान के बीच सीमा की लम्बाई क्रमशः २५१९·०० और १२७१·५० मील के लगभग है ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EXTERNAL AFFAIRS (SHRI DINESH SINGH): The mileage of the borders between India—East Pakistan and India—West Pakistan is approximately 2519:00 and 1271:50 miles respectively.]

श्री विमल कुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्री जी बतलाने की कृपा करेंगे कि उक्त सीमा में से कितनी सीमा दोनों शासनों द्वारा स्वीकार कर ली गई ?

श्री दिनेश सिंह : स्वीकार तो करीब करीब सब है, लेकिन जितनी सीमा पर निशान लगाया जा चुका है वह लगभग २३६१.८ मील है ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : यह कितना पूरा पाकिस्तान और भारत के बीच में है और कितना पश्चिमी पाकिस्तान और भारत के बीच में है ?

श्री दिनेश सिंह : १६५८.५ और ७०३.३ मील ।

श्री विमलकुमार मन्नालालजी चौरड़िया : क्या माननीय मंत्री जी बतायेंगे कि अपनी सारी सीमा के ऊपर कितनी चैक पोस्ट्स भारत ने स्मगलिंग रोकने के लिये और रक्षा की दृष्टि से रख रखी हैं ?

श्री दिनेश सिंह : इसके बताने के लिये समय चाहिये ।

श्री जयनारायण व्यास : क्या माननीय मंत्री जी को पता है कि राजस्थान की जो सीमा पड़ती है उसमें टीला का पश्चिमी हिस्सा पाकिस्तान में है और पूर्वी हिस्सा हिन्दुस्तान में है ? क्या इस तरह की सीमाएं भी अभी तक मौजूद हैं ?

श्री दिनेश सिंह : जहां से सीमा जाती है कुछ जगहें पूर्व और पश्चिम पड़ जाती हैं, अक्सर ऐसा हो ही जाता है ।

श्री जयनारायण व्यास : क्या माननीय मंत्री जी को यह पता है कि कभी कभी कुआं तो हिन्दुस्तान में रह जाता है और उसकी रस्सी पाकिस्तान में चली जाती है ? यह जो सीमाओं में गड़बड़ी है, क्या इसको दुरुस्त करने की कोशिश की जायगी ?

श्री दिनेश सिंह : सरहद पर जो कुएं हैं, उनमें जाहिर है कि ऐसी बात होगी ।

†[ ] English translation.